तर्ज-तेरे मेरे सपने अब एक रंग

तेरी मेरी छोड़ धनी का करते संग हैं
कहनी करनी से परे मोमिन हक के अंग हैं

1- दुनिया की रस्मों से,उल्टी चाल हैं चलते
पीठ दुनी को देते,हैं पिया के सन्मुख रहते
कहलाते सुन्दरसाथ हैं

2- है ईमान धनी पर,विश्वास अटल है इनका
लाख मुसीबत में भी कायम यकीन रखते हैं
धनी भी इनके साथ हैं

3- सुन्दरसाथ की सेवा,हर पल करते रहते
सेवा में ही मग्न हैं,सेवा में ही रहते हैं
सेवा ही इनके पास है

4- करते नहीं हैं दिखावा,आत्म निर्मल है इनकी
छल और कपट से जुदा हैं,प्रीत पिया से इनकी
धनी ही इनके पास हैं

Nijanand App

5- हादी के कदमों पर,हरदम कदम रखते हैं
वाणी के रास्ते पर ही,ये सदा चलते हैं
वाणी पे ही विश्वास है

6- आत्म से ही ये धनी की,करते पल पल चितवन
इतहीं बैठे लेवें,साथ में होवें धन धन
मोमिन ही ये सिरताज हैं

7- जग अंधियारे में भी,फैले प्रकाश इन्हीं का
खुद जागें और जगाये,लेवे प्यार धनी का
मोमिन ये खासलखास हैं

Nijanand App